

22/132

11/11/19



0400 014980



विषय मुद्रा	: ₹ 16,35,525/-
वायाल मुद्रा	: ₹ 1,25,000/-
स्थाप. मुद्रा	: ₹ 1,54,000/-
फ्रेंच	: 142-रुप.

महिलाय डिलेक्शन नियन्त्रण संघर्ष के कारीगर संघर्षक नियन्त्रित अधिकारी चुनाव परीक्षा प्रशासन एवं विधान करना चुनाव और राज व्यापार, निवासी- छाम अस्तुक नगर उक्त विभागमुक्त, पटना

1/1/2020

द्विपाठ अधिकारी

2/1/2020

ଶ୍ରୀ ପାତ୍ରାନନ୍ଦ, ମହାରାଜ

କାଳିଆନ୍ତର କାଳିଆନ୍ତର
କାଲିଆନ୍ତର କାଲିଆନ୍ତର
କାଲିଆନ୍ତର କାଲିଆନ୍ତର
କାଲିଆନ୍ତର କାଲିଆନ୍ତର
କାଲିଆନ୍ତର କାଲିଆନ୍ତର

ମୋ 15 39 + 247

ରାତ୍ରି 60 = 20 40/-

ଏହାରେ 22 ଟଙ୍କା ପରିବାର

କାଲିଆନ୍ତର କାଲିଆନ୍ତର
କାଲିଆନ୍ତର କାଲିଆନ୍ତର

285/(2-6)

ପରିବାର



0100 014981



- 2 -

विजनीट, तहसील म जिला-लखनऊ, जिसे आगे विजनेश्वरगढ़ यहा
या है। इस गांव के पुत्र दुयो प्रसाद निवासी—२५४, चान्दोल
कालीनी, अलीगंड, लखनऊ, जिसे आगे छोता बहा गदा है, के
भाला निष्पादित गिरहा गदा।

इह के विजनेश्वर भूमि खंडा नं० १३३ लक्षा ०.६७।
फ्रेटेझर, लक्षा नं० १३३३ लक्षा ०.१२८ फ्रेटेझर, लक्षा नं०
१३४४ लक्षा ०.१७। फ्रेटेझर, गुज लक्षा १.०९। फ्रेटेझर के ३/४
गांग अर्थात् ०.८२० फ्रेटेझर, सिक्का प्राम गुमुक नगर उक्त
बागियामङ्ड, इण्डना-विजनीट, तहसील म जिला लखनऊ, का
ग्रामेक्षुल द्वारा निर्माण

प्राप्ति

विषयो देवान् गतः

मृत्युं रुद्धं
प्रभूं तीर्त्तं
कृष्णं
गृहं
विषयं विषयं

सूक्ष्मोत्तरिका

सूक्ष्मोत्तरिका विषय
२४४ अथ निरुपयोगः

सूक्ष्मोत्तरिका विषय

सूक्ष्मोत्तरिका विषय

सूक्ष्मोत्तरिका

सूक्ष्मोत्तरिका

२५५

सूक्ष्मोत्तरिका

सूक्ष्मोत्तरिका

२५६

सूक्ष्मोत्तरिका



0400 014982



- 3 -

गांधीजी, कामिल व काबिज है तथा अनुचाल दाखाएँति अवधारिक
उपरा उत्तीर्णी राम लक्ष्मा ४० के अनुचाल अवल भूमि विक्रेतागण के
नाम का अभ्यन्तर राजस्व अभिलेखों में हो गया है। उत्तीर्णी
काम ३००४-४० के अनुचाल राम लक्ष्मा पुर नीले की भूमि का
पश्चात उनके द्वारा पह विक्रेतागण का नाम गवास्तन कर्या है।
विक्रेतागण अपनी बुल भूमि प्राप्ता को इस विकारा विलोक्त द्वारा
विकारा कर रहे हैं। विक्रेतागण उपरोक्ता लक्ष्मा भूमि के नालिका,
कामिल व काबिज है एवं वर्तमान समय गैं डात गृष्मि दूरी भूमि है,
और यह वे विक्रेतागण वह धोषित करता है कि अवधीन वर्तित
भूमि सभी फ़लत ने यातों से युक्त हैं वाक व चाफ है तथा

१०७५५२७ रुपये अनुदान

२०११०



0400 014943

ज. श. क. ल. / अंग्रेजी दिवाली
दर्शक विक्रेतागण ने उन्हें इस विक्रय को पूछ यही बता, इत्था, गिरनी वा
अनुबंधित इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि या उल्का कोई
भाग विस्तीर्णावलव या साटवाटी यार्डवाही के अन्तर्गत यिनाद का
पत्ता निष्ठा, नहीं है, न ही मुक्के इत्यादि है। विक्रेतागण के अलावा
उक्ता भूमि में किसी अन्य आकित का रूपत्व, इक या दोनों हृत्यादि
नहीं है, एवं विक्रेतागण को उल्क विक्रय अनाउण यज्ञने का पूर्ण
आधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त शहनाति के पालत्वाल्य सु
15.39.525/- (एक्सह जारा, उन्तालिरा पाँच सौ पचास लगाता)
के प्रतिपालन में विलेला कि उपरोक्ता ग्रेहा द्वारा विक्रेतागण या हुता
विलेला के अन्तर्गत नहीं अनुसूची में वार्षिक विक्रि के अनुसार

संविधान

शुभाम् शूष्मा

दूर्दृष्टि



0400-014964

- 5 -

मुगातान कर दिया गया है एवं जितावली प्राप्ति को विक्रेतागण उही लक्ष्यकार करते हैं, तबनुसार अक्ता विक्रेतागण तात्त्र प्रेता के हाथ उपरोक्त वर्णित भूमि, जिसका विषय इस विक्रम विनोद के अन्त में जनुसूधी को आजाएँ दिया गया है, को करत्है बेच दिया है, एवं विक्रेतागण ने विक्रमशुद्धा भूमि का भीको पर खला छोड़ा यो गल्भु
करा दिया गया है। अब उक्ता आटाजी पर विक्रेतागण तथा उहाके वाटिलान या कोई अधिकार नहीं है। विक्रेतागण ने विक्रमशुद्धा दापालित को अपने व्यापिक के समझा अपिकरी के साथ पूर्तिका व हमेशा के लिए बेचा को हलाज्ञातित कर दिया है। अब छोड़ा विक्रमशुद्धा दापालित एवं उसके प्रतीक नाम यो अपने लक्ष्यात्

लक्ष्यात् ॥ श्रीमद्भागवत् ॥

३५४



0400 014985

प्रभाग प्रधान के नाम	०
१. विक्रीकरण	१
२. विक्रीकरण	०
३. विक्रीकरण	०
४. विक्रीकरण	०
५. विक्रीकरण	०
६. विक्रीकरण	०
७. विक्रीकरण	०
८. विक्रीकरण	०
९. विक्रीकरण	०
१०. विक्रीकरण	०
११. विक्रीकरण	०
१२. विक्रीकरण	०
१३. विक्रीकरण	०
१४. विक्रीकरण	०
१५. विक्रीकरण	०
१६. विक्रीकरण	०
१७. विक्रीकरण	०
१८. विक्रीकरण	०
१९. विक्रीकरण	०
२०. विक्रीकरण	०
२१. विक्रीकरण	०
२२. विक्रीकरण	०
२३. विक्रीकरण	०
२४. विक्रीकरण	०
२५. विक्रीकरण	०
२६. विक्रीकरण	०
२७. विक्रीकरण	०
२८. विक्रीकरण	०
२९. विक्रीकरण	०
३०. विक्रीकरण	०
३१. विक्रीकरण	०
३२. विक्रीकरण	०
३३. विक्रीकरण	०
३४. विक्रीकरण	०
३५. विक्रीकरण	०
३६. विक्रीकरण	०
३७. विक्रीकरण	०
३८. विक्रीकरण	०
३९. विक्रीकरण	०
४०. विक्रीकरण	०
४१. विक्रीकरण	०
४२. विक्रीकरण	०
४३. विक्रीकरण	०
४४. विक्रीकरण	०
४५. विक्रीकरण	०
४६. विक्रीकरण	०
४७. विक्रीकरण	०
४८. विक्रीकरण	०
४९. विक्रीकरण	०
५०. विक्रीकरण	०
५१. विक्रीकरण	०
५२. विक्रीकरण	०
५३. विक्रीकरण	०
५४. विक्रीकरण	०
५५. विक्रीकरण	०
५६. विक्रीकरण	०
५७. विक्रीकरण	०
५८. विक्रीकरण	०
५९. विक्रीकरण	०
६०. विक्रीकरण	०
६१. विक्रीकरण	०
६२. विक्रीकरण	०
६३. विक्रीकरण	०
६४. विक्रीकरण	०
६५. विक्रीकरण	०
६६. विक्रीकरण	०
६७. विक्रीकरण	०
६८. विक्रीकरण	०
६९. विक्रीकरण	०
७०. विक्रीकरण	०
७१. विक्रीकरण	०
७२. विक्रीकरण	०
७३. विक्रीकरण	०
७४. विक्रीकरण	०
७५. विक्रीकरण	०
७६. विक्रीकरण	०
७७. विक्रीकरण	०
७८. विक्रीकरण	०
७९. विक्रीकरण	०
८०. विक्रीकरण	०
८१. विक्रीकरण	०
८२. विक्रीकरण	०
८३. विक्रीकरण	०
८४. विक्रीकरण	०
८५. विक्रीकरण	०
८६. विक्रीकरण	०
८७. विक्रीकरण	०
८८. विक्रीकरण	०
८९. विक्रीकरण	०
९०. विक्रीकरण	०
९१. विक्रीकरण	०
९२. विक्रीकरण	०
९३. विक्रीकरण	०
९४. विक्रीकरण	०
९५. विक्रीकरण	०
९६. विक्रीकरण	०
९७. विक्रीकरण	०
९८. विक्रीकरण	०
९९. विक्रीकरण	०
१००. विक्रीकरण	०

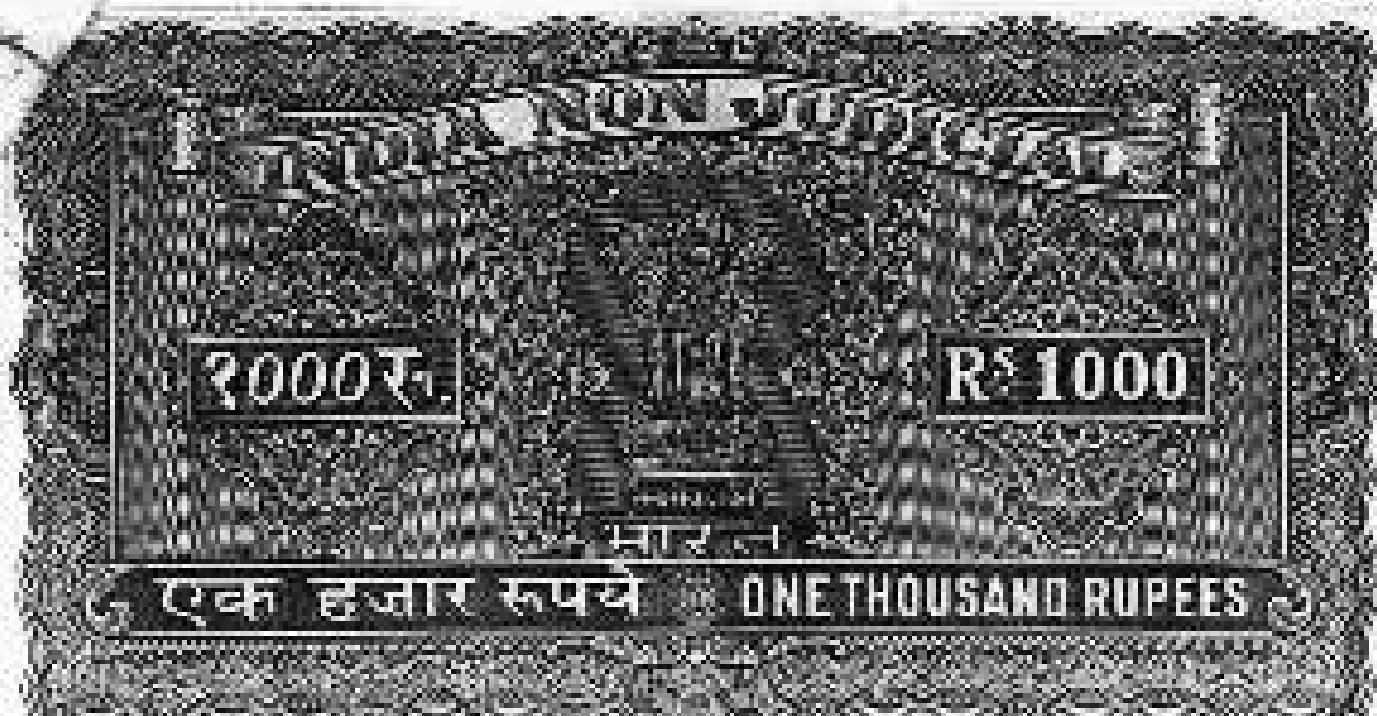
स्थानिक व आधिकार व व्यवसे में सम्प्रति के लग में शारण एवं उभयोन व उपभोग करेंगे। विक्रेतागण उसमें किसी प्रकार की अनुचय बापा नहीं डाल लेंगे एवं ज ही कोई भाग नह लेंगे। और वहि विक्रयशुदा सम्प्रति आवाहा कोई भाग विक्रेतागण के द्वारागत्व में चुटि के बगरण या बगनूटी अवृद्धि या कानूनी युद्ध के बगरण में वा उसके वारितान निष्पाद्यगति द्वार्यादि से बदले वा आधिकार वा स्वत्व से निकल जाये तो व्रेता उसमें वारितान, निष्पाद्यगति द्वार्यादि को बह छक रोगा कि वह बगना समस्त गुकडान मव उजां व लक्षण, विक्रेतागण की गल, अचल सम्प्रति से

८८४८८१११

२८०८/०००२०८

२८०८/०००२०८

1000 Rs.



जरिये अद्वितीय बस्तू कर से। उस विधि में विशेषागण एवं दलकर्ता वारिसान लड़ी व लड़ा करे होंगे आध्य होगा।

इहु कि कोटा विक्रमशुदा राज्यांति यी दासिल चाहिए दासत्व अभिलेखों में अपने नाम करे करा ले तो विशेषागण को कोई आपलि न होगी और यह कि इहा विक्रम विलेज के पूर्वे वह अगर बोहु लहाना यिसी तरह वह भाई हस लायकि पर होगा तो उसको विशेषागण मुकाबला व वहन करेगा, विशेषागण को कोई आपलि न होगी।

इहु कि उपरोक्त ललता नम्रत माम वक्तुण नाम उक्त विशेषागण अवैकाशाप्ति के लाभान्व यात्रा के अन्तर्गत आता है।

प्रभासन्

२५४३, अ०५८

२०१०



- 8 -

इसलिए निम्नलिखि सरकार देट ८० ९,००,०००/- प्रति हेक्टेएक्ट की
हिरात से विकला भूमि ०.४२० हेक्टेएक्ट की विलियत रुप
८,३५,५००/- होती है, चूंकि विकाय मूल्य, भूमि की वालाल मूल्य से
अधिक है इसलिए नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही रु०
१,५४,०००/- जनरल राष्ट्रीय अदा किया जा द्वा है। वह कि
उत्तरोत्तर विकीर्त भूमि के उपयोग के लिए इन्ही जा द्वी है।
इस भूमि में गोड़ बुजी, तालाब, व निर्धारण आदि नही है, तथा २००
मी० के अर्धव्यास गे कोटि निराण नही है विकीर्त भूमि भिन्नी लिंक
मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नही है। विकला भूमि
रुक्तानपूर से लगभग ५०० बीट्ट से अधिक दूरी पर स्थित है।

प्रार्थना

२५/८/१९४८

२५४८



१०-

विशेषण न अंता दीनो अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। इन विशेष गिलेल के निवापन वा उपलब्धता व्याच क्रीता हारा नहुन किया गया है।

परिस्थित : विवरण विक्रयशुद्ध सम्योग का विवरण

गृष्म ऋतारा नं० १३३ रुपया ०.६७१ हेक्टेअर, सूरता नं० १३०३३ रुपया ०.२२६ हेक्टेअर, चकारा नं० १३४३ रुपया ०.१०७ हेक्टेअर, गुल रकवा १.०३४ हेक्टेअर के ३/४ भाग अर्थात् ०.८२० हेक्टेअर, टिक्का ग्राम सुतुक बाट ऊंची यागिराम्हड, पटगाना-पिञ्चांत, गहडील व गिला ललानक, जिलकी घोलद्यो निम्न है।

प्राप्तिकर्ता श्रीमति विजय



- 11 -



लालता नं 133 रुपया 0.671 हेक्टेअर

पूर्व : खासदा संलग्ना-135, 136, 137, 138

पश्चिम : लालता संलग्ना-130

उत्तर : खासदा संलग्ना-134

दक्षिण : खासदा संलग्ना-132

लालता नं 134 रुपया 0.423 हेक्टेअर

पूर्व : लालता संलग्ना-141

पश्चिम : खासदा संलग्ना-133

उत्तर : लालता संलग्ना-137

दक्षिण : खासदा संलग्ना-140

क्रमांक ३००० नं १०००

परिणाम : भगतान विषय

कुल विक्रय मूल्य विलेनागण को ₹ 0 15,39,525/- रुपये
लाख उत्तरालिस पीछे सी पच्चीस रुपया) केता से द्वाटा बिनवर
घोका प्राप्त हुए तथा जिसकी प्राप्ति विलेनागण स्वीकृत करते हैं।

लिहाया यह विवरण पर इग विलेनागण ने केता के गवा गे
लम्भ गवाहन बिना छिनी जोर दबाव के, व रखरख बिला व मनही
द्वारा ने लिला दिया ताकि अनद रहे और आवश्यकता पड़ने पर
काम आयें।

जिलेनागण

लखनाक

दिनांक: 28.12.2014

इनी है अपनी

गवाह

विलेनागण

2.
लिलेनागण, नुगालीनामा,
पौर अधिकारी, विलेनागण,
कालीन

जिलेनागण

जेवा

टाइपराता

(टाइपराता)

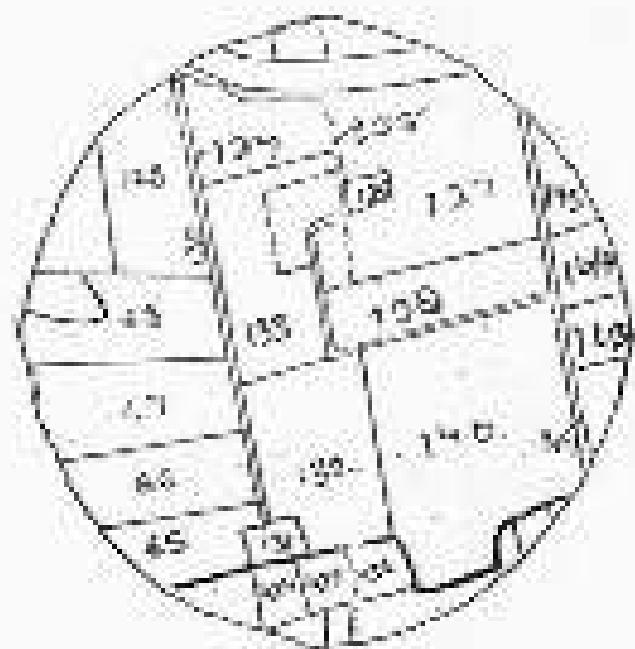
गवाहाकर्ता

लिलेनागण
(अनुज शुभला)
एडमोन्ड

प्राचीन भूमिकामध्ये विविध परम्परा विचार
शिला लकड़ी

दासरा शंखा १३३/१३५

रक्तवा -



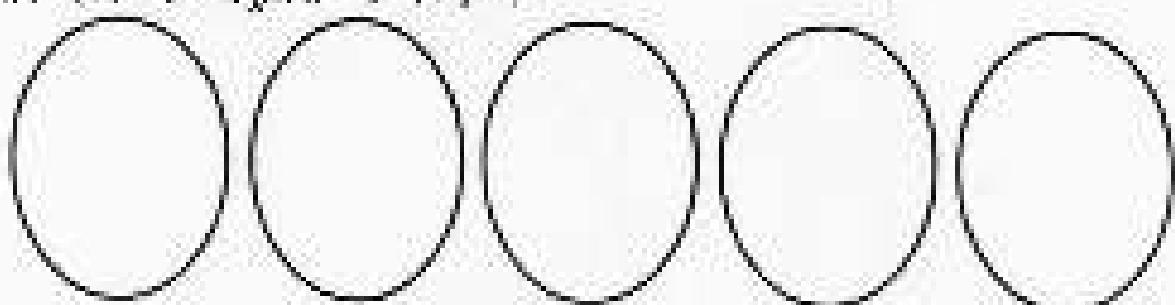
प्राचीन
जाति लकड़ी
विचार

प्राचीन
जाति लकड़ी
विचार

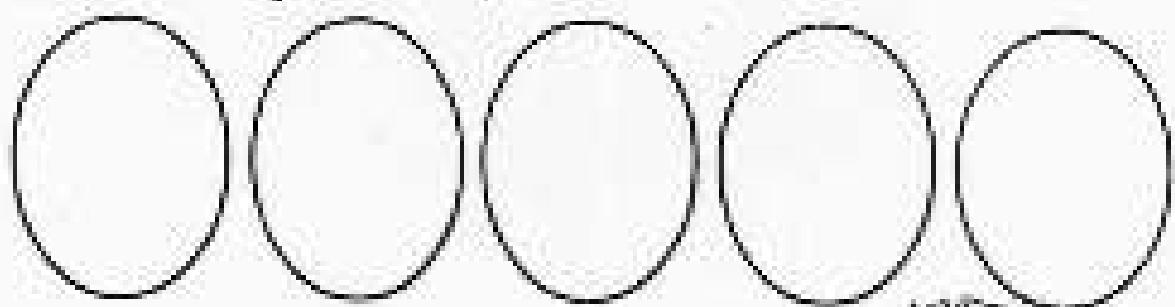
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए के अनुपालन
हेतु फिंगर प्रिंट्स

प्रकृतिका/विकेता का नम व पता : रामलक्ष्मी

वापं हाथ के गंगालियों के लिए :



याहिने हाथ के गंगालियों के लिए :



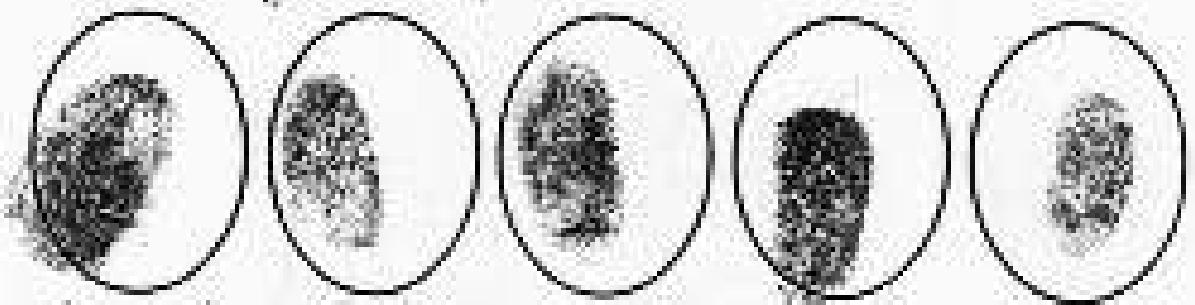
उम्रिंगी

सामाजिका/विकेता के इसाम्बर

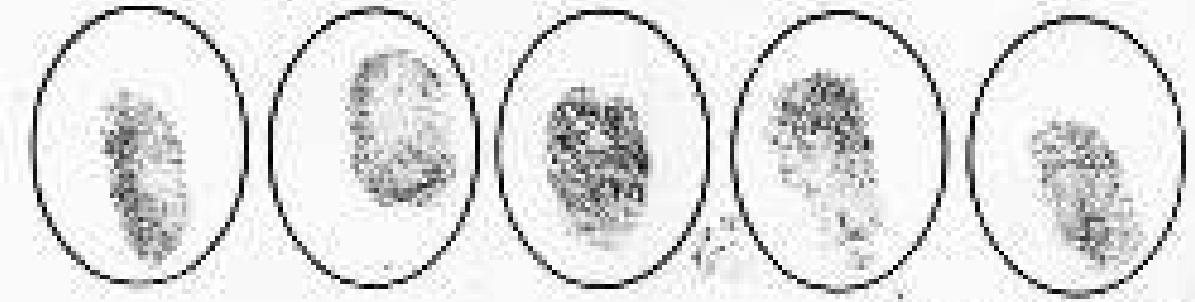
प्रकृतिका/विकेता का नम व पता : श्रीमद्भूमि

विकास कुमार

वापं हाथ के गंगालियों के लिए :



याहिने हाथ के गंगालियों के लिए :

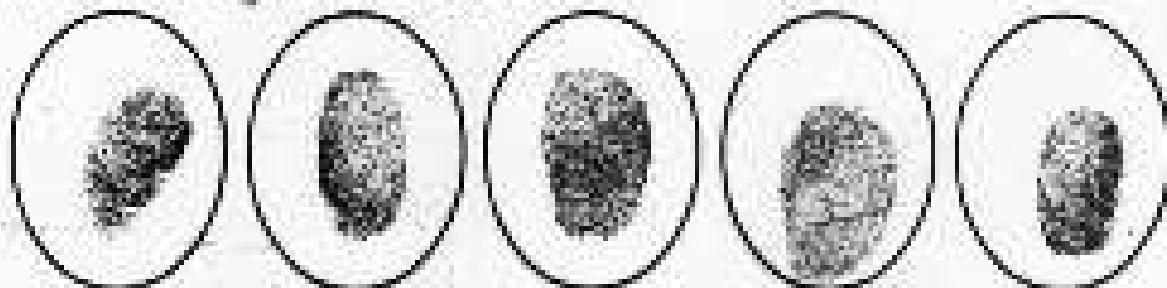


विकेता/विकेता - के इसाम्बर
श्रीमद्भूमि

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 320, के अनुपालन
हेतु फिंगरस्प्रिन्ट्स

प्रकृत्याकरणिकां के नम व पा :- रेप्पी

वापे हाथ के अंगूष्ठों के लिए :-



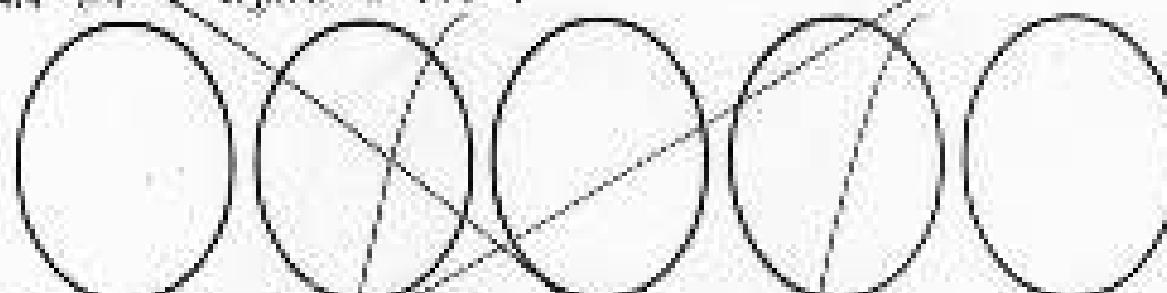
दाहिने हाथ के अंगूष्ठों के लिए :-



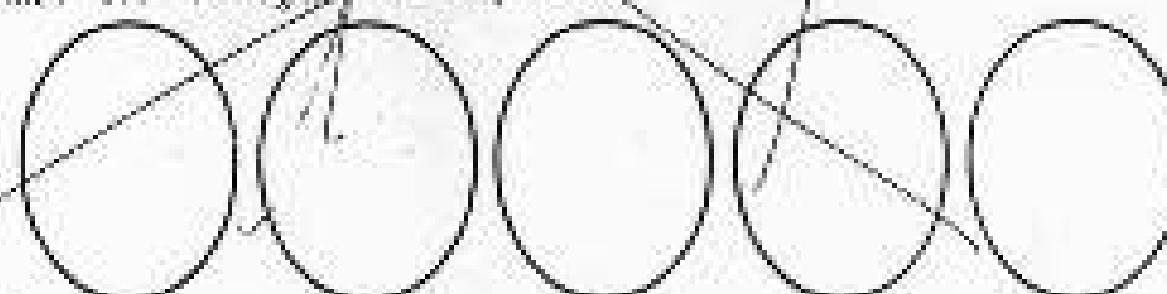
प्रकृत्याकरणिकां द्वारा के हस्ताक्षर

इस्तुवदार/लिखन के नम व पा :-

वापे हाथ के अंगूष्ठों के लिए :-



दाहिने हाथ के अंगूष्ठों के लिए :-



प्रिंट्स/डेंगा के हस्ताक्षर

८

२०११-१२
मार्च २०१२
दूसरे दिन
२०११-१२
मार्च २०१२

